

7
16/20

मन्मथली पर हुयी वल्लुलाह इय

इयम पथ की लक्षणों व. इयम पथव्यक्त

की मन्मथ विषय, जाला है वि वद

मन्मथ वल्लु के निरन्तर वद राजसु गी

जाला के खतरा संख्या 272 की राजसु

रेखरी की यथास्थिति वाक्य रखा जाय

मन्मथी के मन्मथ शुद्ध होय नमस्

वे वगैरे एक मूल वल्लु के लिये नमस्

16/20